

15/10/26

ई-मेल

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजगढ़(ब्यावरा)म0प्र0

Phone & FAX No. 07372-255017

E-Mail Id. dcourtraj-mp@nic.in

!! ज्ञापन !!

क्रमांक 2913 / सांख्य-78 / 2026

राजगढ़, दिनांक: 14 / 10 / 2026

दो-12 / 89-95

प्रति,

1	श्री महेश नारायण श्रीवास	नोटरी	राजगढ़
2	श्री प्रहलाद सिंह पंवार	नोटरी	राजगढ़
3	श्रीमती प्रभा शर्मा	नोटरी	राजगढ़
4	श्री अविनाश चंद दशहरिया	नोटरी	राजगढ़
5	श्री नरेन्द्र सिंह परमार	नोटरी	राजगढ़
6	श्री शैलेन्द्र गुप्ता	नोटरी	राजगढ़
7	श्री पुरुषोत्तमदास श्रीवास	नोटरी	ब्यावरा
8	श्री सुधीर सक्सेना	नोटरी	ब्यावरा
9	श्री प्रवीण कुमार नामदेव	नोटरी	ब्यावरा
10	श्री कृष्ण गोपाल तिवारी	नोटरी	ब्यावरा
11	श्री दिनेश चंद गुप्ता	नोटरी	ब्यावरा
12	श्री ओ.पी.शर्मा	नोटरी	ब्यावरा
13	श्री भूषेन्द्र कुमार त्रिवेदी	नोटरी	नरसिंहगढ़
14	श्री बृजेन्द्र मोहन सक्सेना,	नोटरी	नरसिंहगढ़
15	श्री विजय कुमार शर्मा,	नोटरी	नरसिंहगढ़
16	श्री संतोष कुमार सक्सेना	नोटरी	नरसिंहगढ़
17	श्री मनोज कुमार यादव	नोटरी	नरसिंहगढ़
18	श्री सैयद अन्सार अली नकवी	नोटरी	सारंगपुर
19	श्री गोवर्धन प्रसाद सक्सेना	नोटरी	सारंगपुर
20	श्री कैलाशचन्द्र शर्मा	नोटरी	सारंगपुर
21	श्री रामबाबू कारपेन्टर	नोटरी	सारंगपुर
22	श्री डी0के0 पंचोली	नोटरी	खिलचीपुर
23	श्री महेन्द्रसिंह	नोटरी	खिलचीपुर
24	श्री सुनील शर्मा	नोटरी	खिलचीपुर
25	श्री गोपाल दांगी	नोटरी	खिलचीपुर
26	श्री देवेन्द्र कुमार पंचोली,	नोटरी	जीरापुर
27	श्री आर0डी0 तिवारी,	नोटरी	जीरापुर
28	श्री प्रेमनारायण शर्मा	नोटरी	जीरापुर
29	श्री गिरिराज जमींदार	नोटरी	जीरापुर

विषय:- नोटरी मैरिज आफिसर नहीं होता है और नोटरी को विवाह और तलाक संबंधी डीड्स निष्पादित करने हेतु अधिकृत नहीं किया गया है, बाबत अधिसूचना।

संदर्भ:- मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद, जबलपुर की अधिसूचना क्रमांक 10/2026, पत्र क्रमांक एस.बी.सी/एम.पी./अधि./2890/2026 दिनांक 19.08.2026

विषयांकित संदर्भित अधिसूचना की छायाप्रति सूचनार्थ एवं दिये गये निर्देशों का कड़ाई से पालन किये जाने हेतु संलग्न प्रेषित है।

संलग्न :-उपरोक्तानुसार।

वास्ते प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
राजगढ़ (ब्यावरा) म0प्र0

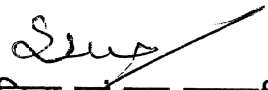
पू.क्रमांक ~~2913~~ 17 सांख्य-78/2026
दो-12/89-95

राजगढ़, दिनांक: 14/10/2026

प्रतिलिपि:-

1. प्रभारी अधिकारी नजरत अनुभाग, राजगढ़/ब्यावरा/नरसिंहगढ़/सारंगपुर/खिलचीपुर/जीरापुर की ओर संदर्भित अधिसूचना की छायाप्रति सूचना पटल पर चस्पा करने हेतु संलग्न प्रेषित है।
2. जे.एस.ए. राजगढ़ की ओर संदर्भित अधिसूचना की छायाप्रति, कार्यालयीन वेबसाईट पर अपलोड किये जाने हेतु संलग्न प्रेषित है।

संलग्न :-उपरोक्तानुसार।


वास्ते प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
राजगढ़ (ब्यावरा) म0प्र0



मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद
STATE BAR COUNCIL OF MADHYA PRADESH

(Statutory Body Constituted under the Advcoates Act, 1961)

High Court Premises, Jabalpur-482007 (M.P.)

एस.बी.सी./एम.पी./अधि./ 2890 /2026

दिनांक 19.08.2026

अधिसूचना क.-10/2026

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद एतद अधिसूचना के द्वारा समस्त नोटरी/अधिवक्ता को निर्देशित/सूचित किया जाता है कि नोटरी अधिनियम, 1952 सहपठित नोटरी नियम, 1956, माननीय उच्च न्यायालय के विभिन्न न्यायदृष्टांत तथा "F. NO. N-15011/211/2024-NC GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF LAW & JUSTICE DEPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS (Notary Cell), 4th Floor, Middle Wing Janpath Bhawan, New Delhi, Dated the 10th October, 2024

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Execution of marriage/ divorce deeds by Notaries- Reg.

The Notaries Act, 1952 and the Notaries Rules, 1956 regulate the profession of Notaries. In pursuance of Section 3 of the Notaries Act, 1952, the Central Government, for the whole or any part of India and any State Government, for the whole or any part of the State, may appoint as Notaries any legal practitioners or other persons who possess such qualifications as may be prescribed. The functions and duties of Notaries are enumerated in Section 8 of the Notaries Act, 1952. The transaction of business by a Notary is regulated by Rule 11 of the Notaries Rules, 1956.

2. It is clear from the plain reading of Section 8 of the Notaries Act, 1952 and sub-rule (8) of Rule 11 of the Notaries Rules, 1956 that execution of marriage or divorce affidavit is not the function of the Notary. The functions of Notaries as envisaged in Section 8 of the Notaries Act, 1952 and sub-rule (8) of Rule 11 of Notaries Rules, 1956 do not authorise any Notary to notarise an affidavit of marriage or divorce. Neither the Notary is authorized to certify the marriage nor competent to execute the divorce deed under the Notaries Act, 1952 and the Notaries Rules, 1956. A Notary has not been appointed as a Marriage Officer.

3. Despite the above legal position, it has come to notice that some Notaries are executing documents regarding marriage, divorce, etc. Further, some Notaries are also Issuing Marriage Certificates and allowing the execution of declarations of marriage between the parties, which has far-reaching consequences.

4. Hon'ble High Court of Orissa and Hon'ble High Court of M.P. have also clearly held that Notaries are not appointed as Marriage Officers and they are not authorised to execute marriage or divorce deeds. References may be made to the following decisions in this regard:

(i) Partha Sarathi Das Vs. State of Orissa and Others; 2023 SCC OnLine Ori 5657 of Hon'ble High Court of Orissa (Date of judgment - 14.09.2023)

ii) Mukesh S/o Mr. Lakshman Lakshminaryan Vs. The State of M.P., M.Cr.C. No. 44184 of 2020 of Hon'ble High Court of M.P. (Date of judgment-31.12.2020)

(iii) Bundel Singh Lodhi Vs State of M.P., M.Cr.C. No. 15168 of 2021 of Hon'ble High Court of M.P. (Date of judgment-30.04.2021).

5. An act or omission on the part of any Notary in respect of any provision of the Notaries Act, 1952 or the Notaries Rules, 1956 will be seen as professional misconduct and the Notary concerned will render himself/herself liable to be dealt with in accordance with the provisions contained in Rule 13 of the Notaries Rules, 1956 and action may also be taken against him/her by the appropriate Government under sub-rule (12) (b) of Rule 13 of the Notaries Rules, 1956 and sub section (d) of Section 10 of the Notaries Act, 1952. Names of such Notaries who have been found to be guilty of professional or other misconduct





मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद
STATE BAR COUNCIL OF MADHYA PRADESH
(Statutory Body Constituted under the Advcoates Act, 1961)
High Court Premises, Jabalpur-482007 (M.P.)

rendering them unfit to practise as Notaries may also be removed from the Register of Notaries by an order of the appropriate Government in pursuance of the provision contained in sub-section (d) of Section 10 of the Notaries Act, 1952. The Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Bhagwan Singh Vs. State of U.P. & Ors. in Diary No. 18885 of 2024 has observed as under in judgment/order dated 20.09.2024:

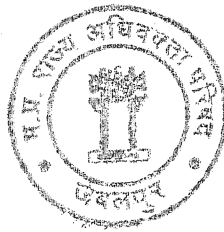
"37. Similarly, the Notaries Act 1952 regulates the profession of Notaries. The functions and duties of Notaries are enumerated in Section 8 thereof. The transaction of business by a Notary is contained in Rule 11 of the Notaries Rules 1956. Any acts or ormissions thereof, on the part of the Notary would tantamount to misconduct, and the person complained against would be unfit to be a Notary."

6. In view of the above, it is brought to the notice of all concerned that Notaries appointed under the Notaries Act, 1952 should desist themselves from executing marriage or divorce deeds as they are not appointed as Marriage Officers. Such actions on their part are against the extant law. Any omission or commission of the Notaries Act, 1952 or the Notaries Rules, 1956 in this regard on the part of any Notary will tantamount to misconduct and action will accordingly be taken against such Notary in accordance with the provisions contained in Notaries Act, 1952 and Notaries Rules, 1956.

(Rajeev Kumar)
Deputy Secretary to the Govt. of India"

उपरोक्तानुसार नोटरी मैरिज ऑफिसर नहीं होता है और नोटरी को विवाह और तलाक संबंधी डीड्स निष्पादित करने हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

अतः हाईकोर्ट/जिला/तहसील अधिवक्ता संघ इस अधिसूचना को नोटिस बोर्ड में चस्पा कर संबंधित नोटरी/अधिवक्ता को सूचित किया जाए।



(Signature)
सचिव

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद

प्रतिलिपि-

1. रजिस्ट्रार जनरल, उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश जबलपुर।
2. प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय म०प्र० खण्डपीठ इंदौर एवं ग्वालियर।
3. महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय म०प्र० जबलपुर।
4. समस्त प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश मध्य प्रदेश।
5. समस्त कलेक्टर मध्य प्रदेश।
6. समस्त अध्यक्ष/सचिव हाईकोर्ट/जिला/तहसील/अधिवक्ता संघ म.प्र.।
7. चेयर पर्सन एवं सदस्य, विशेष समिति, म०प्र० राज्य अधिवक्ता परिषद।

(Signature)
22/9/24